>

Title: Regarding US President's reported mediation claim on Kashmir.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): महोदय, सभी लोगों को अपनी-अपनी सीटों पर बैठने दीजिए ।...(व्यवधान)

सर, मेरी आपसे एक गुजारिश भी है और हम आपका संरक्षण भी चाहते हैं कि मुझे 2-4 मिनट बोलने दिया जाए । आप सत्ता पक्ष के लिए दिन भर का समय दे दीजिए, महीने भर का समय दे दीजिए, साल भर का समय दे दीजिए, लेकिन हमें कुछ मिनट बोलने का मौका दे दीजिए । यह हमारी आपसे गुजारिश है ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट मेरी बात सुनिए । मैं आपको पूरा बोलने का समय दूँगा, लेकिन आप सत्ता पक्ष की भी पूरी बात सुनकर जाना ।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, बात यह है ।...(व्यवधान) मुझे बाधित न किया जाए । मैं 2-4 मिनट में अपनी बात खत्म करता हूँ । सारे हिन्दुस्तान में आज इस विषय पर चर्चा हो रही है कि दुनिया के 2 बड़े लोकतंत्र अमेरिका और हिन्दुस्तान के 2 मुखिया एक ट्रंप साहब और एक हमारे प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के बीच ओसाका में क्या बात हुई ।

सर, रीति-रिवाज के मुताबिक आज प्रधान मंत्री जी को इस सदन में उपस्थित रहना चाहिए था । हम इसीलिए आज स्थगन प्रस्ताव लाए ताकि हम प्रधान मंत्री जी की निगाह इस तरफ आकर्षित करें और उनसे यह बात सुनें ।...(व्यवधान) पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच 1971 में एक वार हुआ था । इंदिरा गाँधी जी ने पाकिस्तान को नेस्तनाबूद करते हुए 93 हजार पाकिस्तानी फौजियों को हिरासत में ले लिया था ।...(व्यवधान) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह सबसे बड़ा सरेंडर हुआ था ।...(व्यवधान) इसके बाद शिमला एग्रीमेंट हुआ था ।...

(व्यवधान) शिमला एग्रीमेंट इंदिरा गाँधी और भुट्टो के बीच हुआ था ।... (व्यवधान) शिमला एग्रीमेंट के मुताबिक कश्मीर मुद्दे पर किसी तृतीय पक्ष का हस्तक्षेप नहीं होगा,...(व्यवधान) उस एग्रीमेंट में यह करार हुआ था ।... (व्यवधान) कश्मीर मुद्दा बाइलेटरल है ।...(व्यवधान) इसमें किसी का हस्तक्षेप नहीं माना जाएगा।...(व्यवधान) हम अभी यह देख रहे हैं,...(व्यवधान) हमें बात खत्म करने दीजिए ।...(व्यवधान) अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप साहब कह रहे हैं कि मोदी जी ने हमसे दरख्वास्त की थी कि कश्मीर मुद्दे पर हम हस्तक्षेप करें ।... (व्यवधान) यह गलत हो सकता है ।...(व्यवधान) यह सही भी हो सकता है।... (व्यवधान) यह गलत भी हो सकता है और सही भी हो सकता है ।...(व्यवधान) लेकिन अब तक न तो ट्रंप साहब ने इसको गलत कहा और न ही प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसको गलत कहा है ।...(व्यवधान)

इसलिए हमारे मन में शंका पैदा हो रही है क्योंकि इसे न ही ट्रम्प साहब ने गलत कहा और न ही प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे गलत कहा ।...(व्यवधान) वे अपने लोगों को यहां भेजकर बयान दिया करते हैं ।...(व्यवधान) We would like to hear the fact from the horse's mouth. हम 'घोड़े के मुँह' से यह बात सुनना चाहते हैं ।...(व्यवधान) यह वाजिब है कि आज जिस व्यक्ति को लेकर यह तर्क है, उनका नाम है - प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी । ...(व्यवधान) इसलिए यह वाजिब है और हम उनके मुँह से यह बयान सुनना चाहते हैं ।... (व्यवधान) We would like to hear it from the horse's mouth. इसमें क्या गलती है? लेकिन, सत्ता पक्ष के लोग हमारी बात को नहीं सुनना चाहते हैं और हम इसके खिलाफ जो आवाज उठाना चाहते हैं, उसको जबर्दस्ती दबाना चाहते हैं ।...(व्यवधान) यह हम मानने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं।...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी आएं और सदन में अपना बयान पेश करें, यह हमारा कहना है।...(व्यवधान)

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Mr. Speaker, Sir, between 1100 and 1200 hours, the Indian Parliament, the Lok Sabha, today has

witnessed a very-very strange situation. Members of the Opposition parties in Lok Sabha have again and again pleaded before the hon. Speaker to request the Prime Minister of India to come to the House. It is a very strange thing. Their request is to ask the Prime Minister of India to come to the House, that too on a day when he is supposed to be in the House during Question Hour.…(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय रक्षा मंत्री जी, क्या आप बोलना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब माननीय रक्षा मंत्री जी बोलेंगे ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय रक्षा मंत्री जी के अलावा किसी की बात अंकित न हो ।

…(व्यवधान)… *

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप भी बात सुन कर जाएं ।

…(व्यवधान)

12.07hrs

At this stage S/Shri Adhir Ranjan Chowdhury, T.R. Baalu, N.K. Premchandran and some other hon. Members left the House.

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, अभी काँग्रेस संसदीय दल के नेता ने यहां पर आश्वस्त किया था कि उन्हें इस मुद्दे को उठाने की इजाजत दी जाए और सत्ता पक्ष की ओर से जो भी जवाब देगा, उसकी बात को हम सुनेंगे ।

लेकिन, उन्होंने यहां पर वादाखिलाफी की है । उन्होंने जो कुछ भी वादा किया था, उसे उन्होंने पूरा नहीं किया, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है ।

महोदय, अगर लोकतंत्र चलता है तो यह विश्वसनीयता के आधार पर चलता है । एक स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार परस्पर विश्वास होता है । लेकिन, मैं समझता हूं कि आज इन्होंने जो बातें आपके समक्ष कही हैं कि नहीं, मैं सुनूंगा, पर, आज इन्होंने यहां हमारी बात नहीं सुनी और इस समय वॉक आउट किया ।

दूसरी बात, जहां तक हमारे प्रधान मंत्री जी और अमेरिका के राष्ट्रपति मिस्टर ट्रम्प के बीच बातचीत का प्रश्न है, यह सच है कि जून के महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति और हमारे प्रधान मंत्री मोदी जी के बीच बातचीत हुई थी । लेकिन, हमारे विदेश मंत्री श्री जयशंकर जी ने अपना स्टेटमेंट देते समय इसे पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया और कहा कि कश्मीर के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है । मैं समझता हूं कि इससे ऑथेन्टिक स्टेटमेंट और किसी दूसरे का नहीं हो सकता । इसलिए श्री जयशंकर जी के स्टेटमेंट को मैं सर्वाधिक ऑथेन्टिक स्टेटमेंट मानता हूं क्योंकि जिस समय मोदी जी और मिस्टर ट्रम्प के बीच बातचीत हो रही थी, उस समय हमारे विदेश मंत्री जयशंकर जी स्वयं वहां मौजूद थे ।…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि कश्मीर के सवाल पर किसी की मध्यस्थता स्वीकार करने का कोई प्रश्न ही नहीं खड़ा होता क्योंकि हम इस सच्चाई को जानते हैं कि यह निश्चित रूप से शिमला समझौते की मंशा के सर्वथा विपरीत होगा, इसलिए किसी की मध्यस्थता को स्वीकार करने का कोई औचित्य नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय, यह बात तो अपनी जगह पर है, लेकिन मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि कश्मीर के सवाल पर हम इसलिए भी किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रश्न है । …(व्यवधान) हम सब कुछ स्वीकार कर सकते हैं, हम सब चीज से समझौता कर

सकते हैं, लेकिन किसी भी सूरत में अपने राष्ट्रीय स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं कर सकते हैं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि पाकिस्तान के साथ यदि बात होगी, तो केवल कश्मीर पर बात नहीं होगी, बल्कि पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर पर भी बात

होगी।…(व्यवधान) यह भी मैं दो-तीन शब्दों में स्पष्ट करना चाहता हूं । बहुत-बहुत धन्यवाद।…(व्यवधान)

12.11 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE